ईश्वरीय
खजाना
टीम
*Presents*

# विशेष पुरुषार्थ

## तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

# SWAMAAN

मैं शान्ति की शक्ति से, संस्कार मिलन द्वारा सर्व कार्य सफल करने वाली  निर्विघ्न आत्मा हूँ

# Om Shanti

बाप ने जो इतने सुन्दर-सुन्दर
मैडल्स (बैज) बनवाये हैं...
इनका तुम बच्चों को बहुत
कदर होना चाहिए
यह बैज ही तुम्हारी सच्ची गीता है
इस पर तुम सृष्टि के
आदि-मध्य-अन्त का राज़
किसी को भी समझा सकते हो
तुम्हारे पास यह निशानी
सदैव होनी चाहिए
बाबा ने बहुत ख्यालात से
यह चीजें बनवाई हैं,
इनकी बहुत महिमा निकलेगी

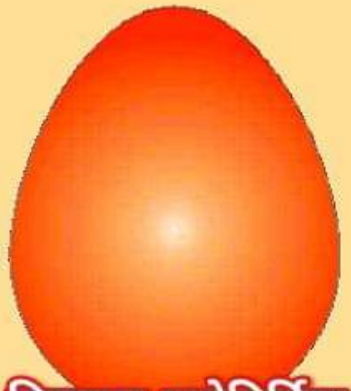

निराकार ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

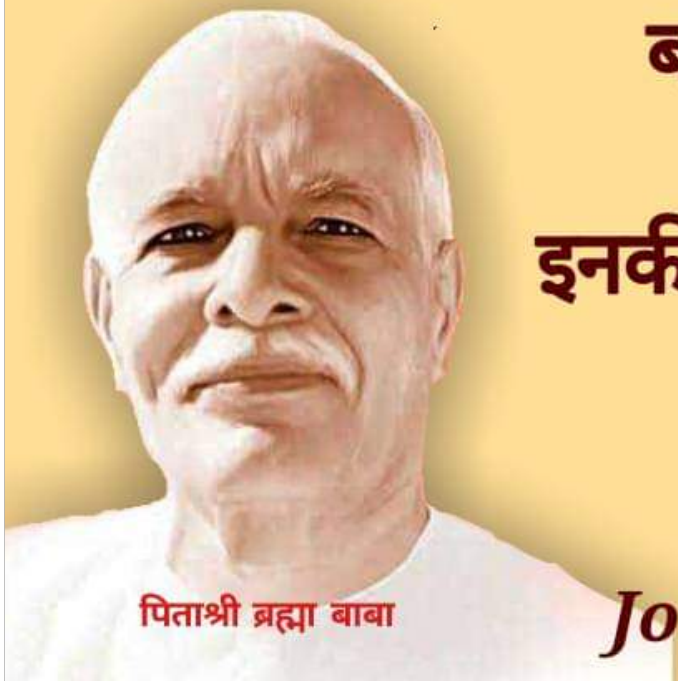

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

*Join Brahma Kumaris*

Connection with only one GOD

Connection with many

Godly Message

एक परमात्मा से नाता जोड़ो तो सभी उलझनों से मुक्त हो जायेंगे।

# शिव बाबा से प्रीत

संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो निरंतर हमें सुख दे सके। अगर आज किसी व्यक्ति से हमें सुख प्राप्त हो रहा है तो जरूरी नहीं कि भविष्य में भी वह हमें सुख दे पाएगा।
सिर्फ शिवबाबा ही है जिनके साथ संबंध जोड़ने और उन्हें याद करने से हमें सदैव सुख प्राप्त होता है। इसलिए किसी व्यक्ति के प्रति आकर्षित होने या उनसे कोई आशा रखने की बजाय हम सदैव एक शिवबाबा से ही सच्ची प्रीत रखें और उन्हें ही अपना सच्चा सहारा मान निरंतर याद करें।

Om Shanti

भाग्य विधाता भगवान ने
आपके मस्तक पर
श्रेष्ठ भाग्य की लकीर खींच दी,
बेफिक्र बादशाह हो गये
तो सदा अपने मस्तक पर
श्रेष्ठ भाग्य की लकीर देखते रहो -
वाह मेरा श्रेष्ठ ईश्वरीय भाग्य!
इसी फ़खुर में रहो तो
सब फिकरातें (चिंतायें)
समाप्त हो जायेंगी

परमपिता शिव परमात्मा

**OM SHANTI**

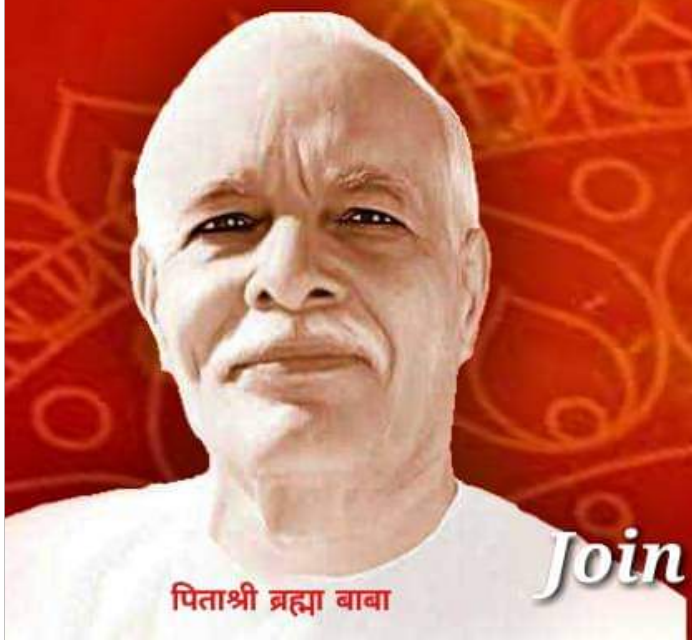

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

*Join Brahma Kumaris*

# Swayam ke Swabhaav Sanskar ka Paper

बापदादा सर्व निमित्त बने हुए सेवाधारियों को किस रूप में देखना चाहते हैं, यह जानते हो? बापदादा सर्व सेवाधारि यों को सदा अपने समान, जैसे बाप कर्त्तव्य के कारण अवतरित होते हैं वैसे हर सेवाधारी सेवा के प्रति अवतरित होने वाले सब अवतार बन जाएं। एक अवतार ड्रामा अनुसार सृष्टि पर आता तो कितना परिवर्त्तन कर लेता। वह भी आत्मिक शक्ति वाले और यह इतने परमात्म-शक्तिस्वरूप चारों ओर अवतार अवतरित हो जाएं तो क्या हो जायेगा? सहज परिवर्त्तन हो जायेगा। जैसे बाप लोन लेता है, बंधन में नहीं आता, जब चाहे आये, जब चाहे चलें जायें, निर्बन्धन है। ऐसे सब सेवाधारी शरीर के संस्कारों के, स्वभाव के बधनों से मुक्त, जब चाहें जैसे चाहें वैसा संस्कार अपना बना सकें। जैसे देह को चलाने चाहें वैसे चला सकें। जैसा स्वभाव बनाने चाहे वैसा बना सकें। ऐसा नहीं कि मेरा स्वभाव ही ऐसा है, क्या करूँ? मेरा संस्कार,मेरा बंधन ऐसा है नहीं। लेकिन ऐसे निर्बन्धन जैसे बाप निर्बन्धन है। कई सोचते हैं हम तो जन्म-मरण के चक्र के कारण शरीर के बंधन में हैं, लेकिन यह बंधन है क्या? अब तो शरीर आपका है ही नहीं, फिर बंधन आपका कहाँ से आया? जब मरजीवा बन गये तो शरीर किसका हुआ? तनमन- धन तीनों अर्पण किया है या सिर्फ दो को अर्पण किया, एक को नहीं। जब मेरा तन ही नहीं, मेरा मन ही नहीं तो बंधन हो सकता है। यह भी कमजोरी के बोल हैं - क्या करें जन्म जन्म के संस्कार हैं, शरीर का हिसाब किताब है। लेकिन अब पुराने जन्म का पुराना खाता संगमयुग पर समाप्त हुआ। नया शुरू किया। अभी उधर का पुराना रजिस्टर समाप्त हुआ। नया शुरू किया। अभी उधर का पुराना रजिस्टर समाप्त हो गया या अभी तक सम्भाल कर रखा है? खत्म नहीं किया है क्या? तो समझा बापदादा क्या देखना चाहते हैं?--13-04-1981

## Achanak Aur Eveready

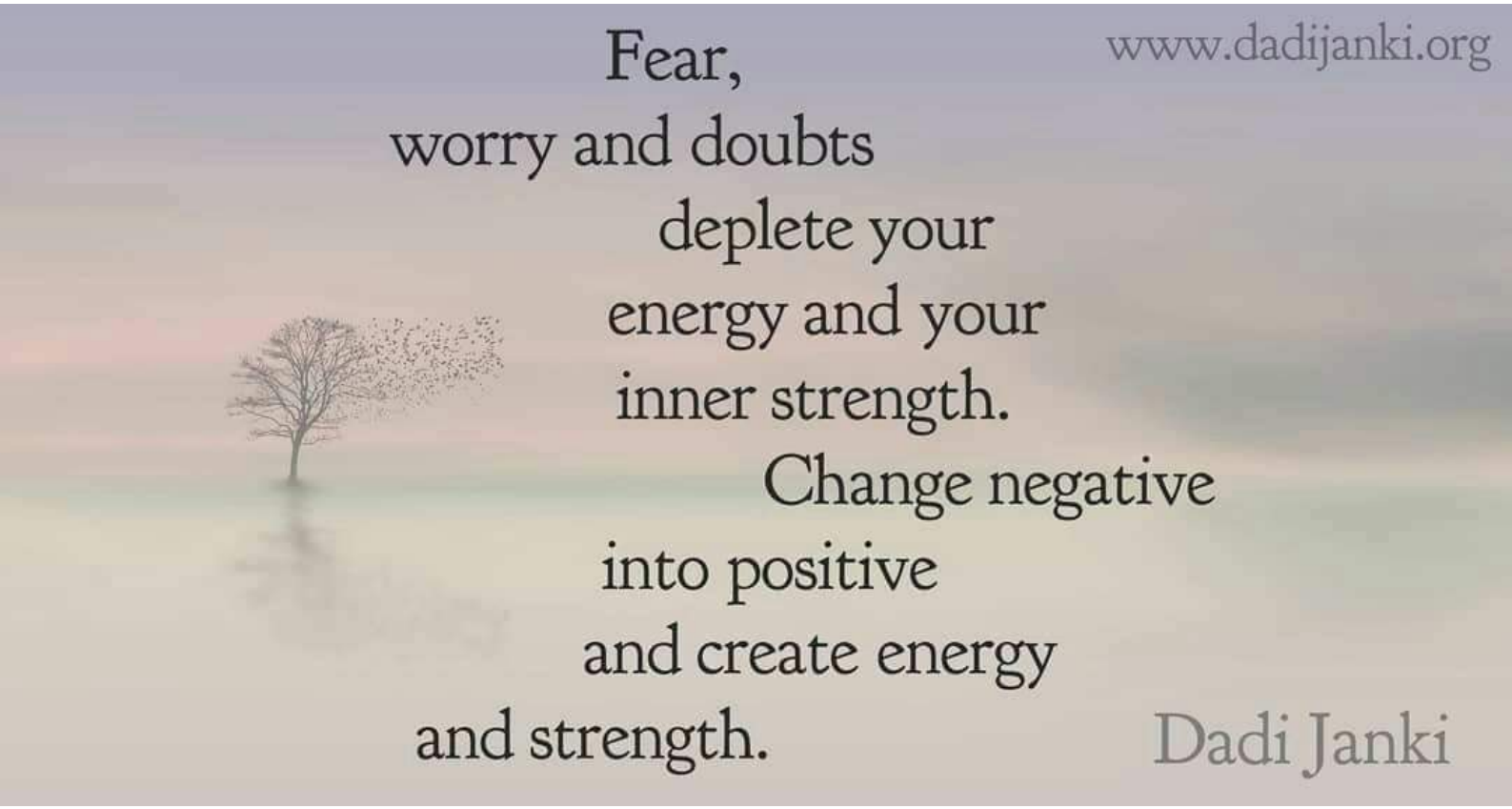
www.dadijanki.org
Fear,
worry and doubts
deplete your
energy and your
inner strength.
Change negative
into positive
and create energy
and strength.
Dadi Janki

## Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org